वागड़ संदेश

Tital Code RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई मेल editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-246 सागवाड़ा,सोमवार,23 मई, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

जिलाध्यक्ष खोड़निया से नाराज कांग्रेसी उतरे विरोध में

पूर्व विधायक और ब्लॉक अध्यक्ष बोले- वागड़ में कांग्रेस का नहीं, प्राइवेट कंपनी का है राज

सागवाड़ा।

डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा के बाद अब सागवाडा में भी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष दिनेश खोडनिया के विरोध में आवाजें उठने लगी है। सोमवार को को सागवाड़ा पूर्व विधायक सुरेंद्र बामणिया के निवास पर आयोजित पत्रकार वार्ता में ब्लाक अध्यक्ष देवीलाल फलोत सुरेश पाटीदार पूर्व अध्यक्ष नागेन्द्र सिंह ने डूंगरपुर में कांग्रेस की दुर्दशा को लेकर अपनी बात रखी । वही प्रेसवार्ता में सुरेन्द्र बामणिया ने कहा कि डूंगरपुर सहित पूरे उदयपुर संभाग में कांग्रेस की दुर्दशा के लिये दिनेश खोडनिया जिम्मेदार है । डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा के खिलाफ हुई एफआईआर का विरोध जताते हुए कहा कि घोघरा का बढ़ता कद घटाने के लिये ये सब किया जा रहा है । जबकि घोघरा गरीब जनता के लिये लडाई लड रहे थे। घोघरा के बढते कद को देखते हुए अब उन्हें दबाने का काम किया जा रहा है। डूंगरपुर जिले को कौन चला रहा प्रशासनिक अधिकारी किसकी सुनते है यह सबको पता है।

सत्ताधारी विधायक को अपने काम के लिये धरने पर बैठना पड रहा है तो आम कार्यकर्ताओं की दशा क्या है यह सबको पता है। घोघरा के साथ जो हुआ वो तो सागवाडा के कार्यकर्ता तीन साल से भुगत रहे है। वक्ताओं ने अधिकारियों की कार्यशैली और दिनेश खोडनिया की दबाव की राजनीति पर आरोप लगाते हुए कहा कि यहा सरकारी अधिकारी नहीं बल्कि किसी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के अधिकारी काम कर रहे है ऐसा लगा रहा है। आमजनता ओर कार्यकर्ता की अधिकारी सुन ही नही रहे है। जिससे क्षेत्र की जनता और कांग्रेस कार्यकर्ता पीड़ित है। सभी विभाग के अधिकारी दबाव में है जो खोड़निया के विरोध में जता है उसे पुलिस प्रशासन से दबाव बनाया जाता है। ये कांग्रेस व क्षेत्र की जनताक के लिये घातक है।

मैं खोडनिया के रिमोट पर चलने वाला नेता नही- बामणिया

सागवाड़ा के पूर्व विधायक ने बताया की कांग्रेस के निवर्तमान जिला अध्यक्ष दिनेश खोडनिया सभी को अपने कंटोल में रखना चाहते है । लेकिन मैं उनके रिमोट पर चलने वाला नही हूं। घोघरा ने भी इसका विरोध किया है । बांसवाड़ा के हमारे दो बडे नेता जो उनके रिमोट कंट्रोल पर काम कर रहे है

प्रेसवार्ता में ये रहे मौजूद

ब्लॉक अध्यक्ष देवीलाल फलोत , सुरेश पाटीदार, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष नागेन्द्रसिंह चौहान, पार्षद आशीष गांधी, गोविंद पूजोत, देवीलाल कलाल, रविशंकर पाटीदार , हितेश पाटीदार , बदिया अंगारी, मौजूद रहे।

कांग्रेस पार्टी नही प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है- फलोत

ब्लॉग अध्यक्ष देवीलाल फलोत ने कहा कि यहां संगठन नाम की कोई चीज नहीं है अधिकारी सुनते नही है हमारे पास कोई ताकत नही है यहां ऐसा लगा रहा है जैसे कोई प्राइवेट लिमिटेड कंपनी चल रही है जहां कार्यकर्ता की सुनवाई नही है।

राज्य सभा में जनाधार वाले नेता को भेजा जाये

प्रेसवार्ता में वक्ताओ ने कहां कि राज्य सभा में कौन जाए यह आलाकमान तय करेगा यहां हम अपनी बात रख रहे है ऐसे व्यक्ति को राज्य सभा में भेजा जाये जिसका कोई जनाधार हो ऐसे व्यक्ति को नहीं भेजा जाये जिस से कांग्रेस को खतरा हो।

में कहता हूं वहां ताली बजाओ

कांग्रेस के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष नागेन्द्रसिंह चौहान ने प्रेसवार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए निवर्तमान जिलाध्यक्ष खोड़निया पर आरोप लगाया कि इतने सालों से अध्यक्ष है कभी एक फोन नही किया एक बार पूछ लेते तुमको क्या तकलीफ है। बस उनके एक ही बात है में जो कहु उसको हा कहो में कहता हूं वहां ताली बजाओ बस इसके अलावा कुछ नही । इनके कार्यकाल में कांग्रेस की जमानत जप्त करवाई ऐसे ब्लॉक अध्यक्ष बना दिये है।

इस्तीफा जेब मे लेकर घुम रहा हूं- पाटीदार

ब्लाक अध्यक्ष सुरेश पाटीदार ने कहां कि संगठनकमजोर हो रहा है बडो की लडाई में सुनवाई नही हो रही है स्थिति यह हैकि मैं मेरा इस्तीफा जेब मे लेकर घुम रहा हूं।

पाटीदार समाज अब राजनीतिक दलों की जाजम बिछाने का काम नही करेगा

* गुजराती लेउवा पाटीदार समाज के वृहद चौखला घाटा का गांव क्षेत्र नादिया एवं चौरासी के उन्तीस गांवों का समाज सुधार सम्मेलन आयोजित

* गुजराती लेउवा पाटीदार समाज सुधार सम्मेलन में लिए कई महत्वपूर्ण फैसले

गलियाकोट। गुजराती लेउवा पाटीदार समाज के वृहद चौखला घाटा का गांव क्षेत्र नादिया एवं चौरासी के उन्तीस गांवों का समाज सुधार सम्मेलन सेमलिया घाटा में आयोजक परिवार मोहनलाल पाटीदार, जगदीश, रमेशचन्द्र, ईश्वरलाल एवं विष्णुराम की ओर से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुम्बई के उद्यमी भगवान सेठ अम्बाडा ने की। मुख्यातिथि विद्यानगर के मैनेजिंग डायरेक्टर गोपाल भाई जसेला थे। विशिष्ठ अतिथि विद्यानगर के चेयरमेन डायालाल विकासनगर, प्रगति मण्डल के जिलाध्यक्ष वासुदेव पाड़वा, पाटीदार समाज के प्रदेशाध्यक्ष डायालाल पाड़वा, जीवणलाल घाटा, हरिप्रसाद करावाड़ा, रणछोड़ चिखली, नटवर मोगजी डैयाणा, रमणलाल भेमई, केशवलाल अम्बाडा, कांतिलाल चाडोली, पद्युमन सेमलिया थे। रवि शंकर घाटा, हरीशचन्द्र अम्बाडा, गोविंदराम घाटा, ईश्वरलाल सेमलिया ने अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर सम्मेलन की शुरुआत की। आयोजक परिवार एवं गांव की माताओं बहनों ने समाज की पारम्परिक संस्कृति के अनुरूप गीत गाते हुए अक्षत एवं पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। समाज सुधार सम्मेलन में वक्ताओं ने समाज में पनप रही बुराइयों एवं कुरीतियों पर जमकर हमला बोला। विशेषकर समाज में कुवारी कन्याओं के क्रय-विक्रय करने तथा किसी परिवार के बसे बसाएं घर की बहू को उठाकर उसके घर को तोड़कर दूसरे के घर को बसाने की घोर निंदा की।

नगरपालिका सागवाडा पर नियम विरूद्ध जेसीबी चला कर आदिवासियों को बेदखल करने का आरोप

राज्यपाल के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन * नगरपालिका क्षेत्र में आदिवासियों के कब्जेशुदा पैत्रक भूमि को राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर आंवटन करवाने की मांग

सागवाडा। नगरपालिका सागवाडा पर नियम विरूद्ध जेसीबी चला कर भोले-भाले आदिवासियों को बेदखल कर उन पर शोषण करने का आरोप आदिवासी समाज ने लगाया है। इसे लेकर सोमवार को आदिवासी समाज ने राज्यपाल के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंप कर नगरपालिका क्षेत्र में आदिवासियों के कब्जेशुदा पैत्रक भूमि को राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर आंवटन करवाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया कि सागवाडा नगरपालिका क्षेत्र में कुछ भूमि खातेदारी है तथा बाकि बिलानाम पैत्रक है तथा बापदादाओं के समय से काबिज एवं काश्त हैं।समस्त प्रार्थीगण की भूमि नगरपालिका क्षेत्र में स्थित होकर पैत्रक भूमि है। यह कि उक्त भूमि सेटलमेन्ट के पहले से ही हमारे बाप दादाओं के कब्जे एवं काश्त - रही है। राजस्व विभाग ने उक्त भूमि हमारे खाते दर्ज नहीं की है। उस पर पेनल्टी शुरू की थी परन्तु कुछ समय बाद उसे बन्द कर दी है। यह कि उक्त भूमि हमारी पैत्रक सम्पत्ति हो कर हमारा अनवरत कब्जा चला रहा है। हमारी आदिवासी भूमि के कब्जेशुदा भूमि को नगरपालिका अधिगृहित नही कर सकती है क्योंकि उक्त भूमि राजस्व विभाग की है उस पर राजस्व विभाग ही हमें एलोटमेन्ट कर सकती है। यह कि नगरपालिका क्षेत्र में आदिवासियों की जो भी बिलानाम कब्जेशुदा भूमि जिस पर काबिज एवं काश्त है उसे किसी भी तरह से उनके हक से वंचित न कर मौके पर जाकर उनको उनकी कब्जेशुदा भूमि के आधार पर राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवाकर उन पर उनका उनका पट्टा दिया जावे।

आंदोलन और इस्तीफे की चेतावनी

नगरपालिका सागवाडा द्वारा विधि विरूद्ध आदिवासियों की पैत्रक कब्जेशुदा भूमि को अधिगृहित करने की प्रक्रिया को रोका नहीं गया तो आदिवासी समाज द्वारा जन आन्दोलन भी किया जायेगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की रहेगी। ज्ञापन में बताया कि नगरपालिका सागवाडा द्वारा भूमि हस्तान्तरित की प्रक्रिया रोकी नहीं की गई तो नगरपालिका सागवाडा के आदिवासी पार्षदों द्वारा सामुहिक इस्तिफा दिया जायेगा। नगरपालिका सागवाडा आदिवासी पार्षदों की बिना अनुमति के प्रस्ताव लेकर उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है किसी भी ऐसी प्रक्रिया में सभी पार्षदों की अनुमति आवश्यक की जावे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ सतीष पुनिया आज एक दिवसीय दौरे पर

डूंगरपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ सतीष पुनिया अपने निजी कार्यक्रम के तहत 24 मई मंगलवार को एक दिवसीय वागड़ दौरे पर रहेंगे। डॉ पुनिया पूर्व राज्य मंत्री स्वर्गीय जीतमल खाट की प्रथम पुण्यतिथि उनके सरथुना निवास पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। मीडिया प्रभारी किरणेश्वर चौबीसा ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष डॉ पुनिया अहमदाबाद से 9 बजे राजस्थान सीमा रतनपुर पर पहुंचेगे वहा पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रभु पंडया के नेतृत्व में उनका अवनगी कर एवं स्वागत किया जावेगा इसके उपरांत बिछीवाड़ा, कनबा, थाना, सिंटेक्स चौराया होते हुये तहसील चोराये पर नगर परिषद सभापति अमृत कलासुआ व नगर अध्यक्ष दिलीप जैन के संयुक्त नेतृत्व में नगर के कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत होगा। डॉ पुनिया तीजवड, हिराता, आंतरी, जोगपुर मोड, चितरी, गलियाकोट होते हुये बांसवाड़ा जिले में प्रवेश करेंगे। इस सभी स्थानों पर कार्यकर्तओं द्वारा स्वागत किया जावेगा।

विवाहिता की ससुराल में संदिग्ध मौत के मामले में पीहर पक्ष ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

पति पर लगाया हत्या का आरोप,ज्ञापन सौपकर की कार्रवाई की मांग

डूंगरपुर। जिले के बिछीवाड़ा निवासी एक विवाहिता की अपने ससुराल में संदिग्ध मौत के मामले में पीहर पक्ष ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। वही इस दौरान पीहर पक्ष ने पति पर हत्या का आरोप लगाते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौपा है। ज्ञापन में पीहर पक्ष ने मामले की निष्पक्ष जांच करवाते हुए आरोपी पति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जिले के बिछीवाड़ा निवासी जिम्मी पंचाल ने बताया कि उसकी बहन टिम्मी का विवाह 4 मार्च 2017 को प्रतापगढ़ जिले के पारसोला निवासी पियूष पंचाल से हुआ था। पीयूष और टिम्मी के पुत्र है जिसकी उम्र साढ़े 3 साल है। जिम्मी ने बताया कि शादी के बाद से ही टिम्मी को उसका पति पीयूष दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करता था और उसके साथ मारपीट भी करता था। दहेज की मांग पूरी नहीं होने के कारण पति पीयूष ने टिम्मी को घर से निकाल दिया था जिसके बाद अप्रैल 2019 में टिम्मी ने डूंगरपुर एसपी के समक्ष न्याय की गुहार लगाई थी। मामला पुलिस तक पहुचने के बाद पीयूष और उसके परिजन डूंगरपुर आए और सामाजिक स्तर पर समझौता कर टिम्मी को अपने साथ ले गए। कुछ दिनों बाद पीयूष ने फिर से टिम्मी को दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया जिस पर टिम्मी वापस डूंगरपुर आई और कोर्ट में तलाक नामा पेश करते हुए भरण पोषण के लिए वाद दायर किया। इस मामले में भी 9 मई 2022 को फिर समझौता हुआ और टीम में वापस अपने पति के साथ ससुराल चली गई। जिम्मी ने बताया कि 17 मई को टिम्मी के ससुराल पक्ष से फोन आया जी टिम्मी ने जहर खा लिया है जिस पर पीहर पक्ष तुरंत पारसोला पहुंचा लेकिन तब तक टिम्मी की मौत हो चुकी थी। मामले को लेकर आज बहन जिम्मी उसके पिता सहित बिछीवाड़ा से पंचाल समाज के लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे और घटना के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान पीहर पक्ष ने मृतका के पति पर हत्या का आरोप लगाया। इस मौके पर पीहर पक्ष ने एएसपी को ज्ञापन सौपकर मामले की निष्पक्ष जांच करवाते हुए आरोपी पति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

चितरी सरपंच व ग्राम विकास अधिकारी पर छात्रावास की जमीन पर कब्जे का आरोप

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर अनुसूचित जाति शोध एवं विकास परिषद कलेक्ट्रेट पर दिया धरना

डूंगरपुर। जिले के चीतरी गांव में अनुसूचित जाति के लोगो ने ग्राम पंचायत के सरपंच व ग्राम विकास अधिकारी पर समाज के छात्रावास भवन को डरा धमका कर खाली कराने और छात्रावास की खाली पड़ी जमीन पर अवैध कब्जा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। विरोध में भीमराव अंबेडकर अनुसूचित जाति शोध एवं विकास परिषद के बेनर तले एससी समाज के लोगो ने कलेक्ट्रेट पर धरना दिया और कार्रवाई की मांग की है। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर अनुसूचित जाति शोध एवं विकास परिषद के अध्यक्ष लक्ष्मण यादव के नेतृत्व में एससी समाज के लोग आज कलेक्ट्रेट पहुंचे। जहा पर समाज के लोगो ने चितरी पंचायत की कार्यशैली के विरोध में धरना देकर प्रदर्शन किया। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर अनुसूचित जाति शोध एवं विकास परिषद के अध्यक्ष लक्ष्मण यादव ने बताया कि ग्राम पंचायत चीतरी के पंचायत भवन के पास में छात्रावास के लिए वर्षों पूर्व जमीन आवंटित की गई थी। जमीन के कुछ हिस्से पर संस्था ने निर्माण करवाया जिसमें समाज के छात्र रहकर पढ़ाई कर रहे हैं । अध्यक्ष लक्ष्मण यादव ने बताया कि पिछले कुछ समय से ग्राम पंचायत

की सरपंच दुर्गा देवी और ग्राम विकास अधिकारी जयेश पाटीदार छात्रावास के स्वामित्व की खाली पड़ी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं वही छात्रावास के द्वार पर पत्थर डालकर मार्ग भी अवरुद्ध कर दिया है। इसके अलावा सरपंच और ग्राम व सिद्ध विकास अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग करते हुए आए दिन छात्रावास में पुलिस को बुलाकर दबाव बनाते हैं और डराते धमकाते हैं। जिसकी वजह से कई छात्र छात्रावास छोड़कर अपने घर भी चले गए हैं। अनुसूचित जाति समाज के लोगों ने चीतरी ग्राम पंचायत के सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी को छात्रावास की जमीन से छेड़छाड़ नहीं करने के लिए पाबंद करने की मांग को लेकर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। साथ ही दोनों के खिलाफ अनुसूचित जाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की मांग भी की है।

फर्जी दस्तावेजो से नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश लेने के मामले में 15 दोषियों को सजा

डूंगरपुर। जिले की एसीजेएम कोर्ट ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश लेने के मामले में फैसला सुनाते हुए 15 आरोपियों को दोषी करार दिया है। मामले में एसीजेएम कोर्ट ने 13 दोषियों को 5-5 साल की सजा सुनाई है। वही 2 दोषियों को 3-3 साल की सजा सुनाई है। इधर कोर्ट ने 2 आरोपियों को बरी किया है। बरी मामले में कोर्ट ने पुलिस की जांच में लापरवाही मानते हुए पुलिस डीजी को पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की है। सरकारी वकील के अनुसार 27 जुलाई 2003 को डूंगरपुर जिले के चितरी थाने में 20 लोगो के खिलाफ धोखाधड़ी कर कक्षा 12 वी की फर्जी अंकतालिका से नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश लेने का मामला दर्ज हुआ था। रिपोर्ट में डूंगरपुर शहर निवासी नरेंद्र सिंह, रामोर निवासी सुमित्रा, चितरी निवासी रमेश चन्द्र पाटीदार, सिलोही निवासी सुरेश चन्द्र पाटीदार, चितरी निवासी मुकेश चन्द्र पटेल, पाली निवासी ज्वाला प्रसाद, बावड़ी निवासी धर्मदास डामोर, खुमानपुरा निवासी रेखा पाटीदार, उदैया निवासी परेश पाटीदार, अम्बाडा निवासी सीमा भील, जोगपुर निवासी ललिता पाटीदार, अम्बाडा निवासी दिनेश मीणा, उदयपुर निवासी गोविन्द सिंह, नरनीया निवासी अमर सिंह, नवलश्याम निवासी गोपाल, जोगपुर निवासी कंकू पाटीदार और उदयपुर निवासी राकेश सिंह पर फर्जी अंकतालिका से उदयपुर व पाली जिलो में नर्सिंग कालेजो में दाखिला लेने का आरोप था।

दो आरोपियों को किया बरी, एसीजेएम कोर्ट ने सुनाया फैसला

पट्टे नहीं मिलने से परेशान कई गाँवों के लोग पहुंचे कलेक्ट्रेट, धरना देकर किया प्रदर्शन

सुरपुर मामले में विधायक सहित 60 लोगो के खिलाफ हुए मुक़दमे का भी जताया विरोध

डूंगरपुर। पंचायत समिति की अंतर्गत आने वाली पंचायतो में प्रशासन गाँवों के संग अभियान में पट्टे नहीं मिलने से परेशान कई गाँवो के ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने उनके हित में मांग उठाने वाले विधायक व अन्य 60 लोगो के खिलाफ मामला दर्ज होने विरोध में भी प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने ज्ञापन सौपकर प्रशासन से पट्टे देने व दर्ज मुक़दमा वापस लेने की मांग की है। डूंगरपुर पंचायत समिति की अंतर्गत आने वाली पंचायतो में प्रशासन गाँवों के संग अभियान में पट्टे नहीं मिलने से परेशान कई गाँवो के ग्रामीण आज कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पट्टे देने व डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा व 60 लोगो के खिलाफ दर्ज मुक़दमे को वापस लेने की मांग को लेकर धरना देकर प्रदर्शन किया। इस दौरान डूंगरपुर पंचायत समिति के प्रधान पति एवं कांग्रेसी नेता केवलराम कोटेड ने बताया कि 21 मई को वे स्वयं और विधायक गणेश घोघरा क्षेत्र का दौरा करते हुए शाम को सुरपुर ग्राम पंचायत पहुंचे थे। तब वहां पर 8 माह से पट्टे नहीं मिलने से नाराज ग्रामीणों ने अधिकारियों को पंचायत में बंद कर रखा था और हंगामा कर रहे थे। इस बीच विधायक ने भी वहां पहुंच कर अधिकारियों से पट्टे नहीं दिए जाने के बारे में जानकारी ली और ग्रामीणों के साथ भी संवाद किया था वहीं करीब 2 घंटे बाद और पूरा मामला शांत हो गया था। इधर प्रशासन और पुलिस ने मामले में देर रात विधायक गणेश घोघरा सहित 60 अन्य लोगों के खिलाफ अधिकारियों को बंधक बनाने का झूठा मुकदमा दर्ज कर लिया। वही सुरपुर के अलावा भी कई ऐसी पंचायते है जहा पर ग्रामीणों को पट्टे नहीं मिले है।

डॉक्टर दम्पत्ति के सूने घर की तीसरी मंजिल पर स्टोर रूम में शोर्ट सर्किट से लगी आग, आग से स्टोर में रखा सामान जलकर हुआ खाक

डूंगरपुर। जिले के कोतवाली थानान्तर्गत शहर के प्रताप सर्किल पर एक डॉक्टर दम्पत्ति के सूने मकान की तीसरी मंजिल पर स्टोर रूम में शोर्ट सर्किट से आग लग गई। नगरपरिषद की दमकल की गाडी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझाने से आग फैल नहीं पाई और बड़ा हादसा होने से टल गया। लेकिन आग से स्टोर में रखा सामान जलकर खाक हो गया। मामले के अनुसार मेडिकल कॉलेज में कार्यरत डॉ नीलेश गोठी और डॉक्टर अदिति गोठी आज सुबह परिवार सहित उदयपुर के लिए निकले थे। दोपहर बाद घर की छत से धुआं उठता देख आसपास के लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड जब मौके पर पहुंची तो घर का दरवाजा बंद मिला जिस पर पड़ोसियों की मौजूदगी में दरवाजा तोड़कर फायर ब्रिगेड की टीम तीसरी मंजिल पर पहुंची। इस दौरान टीम ने देखा की तीसरी मंजिल पर स्थित स्टोर में आग लगी हुई थी। जिस पर कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। क्षेत्र के पूर्व पार्षद मुकेश श्रीमाल ने बताया कि फायर ब्रिगेड कर्मियों के साथ वे खुद भी आग बुझाने घर में घुसे थे। मुकेश श्रीमाल ने बताया कि तीसरी मंजिल पर स्थित स्टोर में शार्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आ रही है वही आग से स्टोर में रखे कपड़े, बिस्तर और एक लैपटॉप सहित अन्य घरेलू सामान जलकर खाक हो गया।